

मोड्यूल 9 : बीमार शिशु की देखभाल तथा टीकाकरण और पोषण के लिए परामर्श

9अ : आंकलन तथा वर्गीकरण

सत्र 1 : बच्चों की साधारण बिमारियाँ तथा बीमार बच्चे की देखभाल की विधि

दिवस : 4

समयावधि : 1 घं.

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यता आएँगी:

1. बच्चों की आम बीमारियों का आंकलन तथा वर्गीकरण करने के लिए बड़े आकार के केस मैनेजमेंट चार्ट का प्रयोग करना।

सामग्री तथा तैयारी

- इस मोड्यूल की शुरुआत में दी गई प्रशिक्षण सामग्री की जाँच-सूची देखें। यह सामग्री बीमार शिशु के मोड्यूल में प्रयोग की जाएगी।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

गतिविधि 1: प्रशिक्षण पैकेज की भूमिका

प्रशिक्षण पैकेज में प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण मोड्यूल, '2 माह से बड़े शिशुओं के स्वास्थ्य तथा पोषण स्तर की देखभाल', चार्ट पुस्तिका तथा विडियो सीडी शामिल हैं।

1. प्रशिक्षण मोड्यूल – इस पुस्तिका में बताया गया है कि आशा 2 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में खॉसी, दस्त, बुखार तथा कुपोषण आदि की जाँच/ देखभाल कैसे करे। उसमें कुछ लक्षणों के चित्र भी शामिल हैं।
2. केस मैनेजमेंट चार्ट – इस में चार्टों की सहायता से समझाया गया है कि इन बच्चों के रोगों का आंकलन, वर्गीकरण तथा उपचार कैसे करें।
3. सीडी – सीडी फिल्म के माध्यम से आशा को रोग के लक्षण पहचानना सिखाया जायेगा।

गतिविधि –2 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण मोड्यूल में दिया गया परिचय पढ़ें।

गतिविधि –3 बच्चों की आम बीमारियों के बारे में सामूहिक चर्चा करें।

सामूहिक चर्चा का उद्देश्य है उच्च मृत्युदर के लिये जिम्मेदार बच्चों की आम बीमारियों की जानकारी देना। विषय पर चर्चा आरंभ करने के लिये प्रशिक्षणार्थियों के विचार जानने के उद्देश्य से निम्न प्रश्न पूछें

1. पिछले 4 हफ्तों में 5 वर्ष से कम आयु के कितने बीमार बच्चे आपको दिखायी दिये।
2. बच्चों के रोगों के मुख्य कारण क्या हैं?
3. बीमार शिशुओं को उपचार हेतु कहाँ ले जाया जाता है ?

प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि उनके क्षेत्र में शिशुओं तथा बच्चों में मृत्यु के क्या क्या कारण हैं। चर्चा के अंत में बतायें –

- बच्चों में मृत्यु का एक मुख्य कारण संक्रमण हैं।
- 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में बड़ी संख्या में मृत्यु का कारण है निमोनिया, दस्त तथा कुपोषण।
- आशा निमोनिया, दस्त तथा कुपोषण से ग्रस्त अधिकांश बच्चों का उपचार कर सकती है।
- माँ तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की इस प्रकार से हो रही मृत्यु को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

चर्चा के दौरान आशा से इन रोगों के बारे में अपने अनुभव बताने को कहें।

गतिविधि -4 : रंगीन – संकेत वाले मैनेजमेंट चार्टों के बारे में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री

- दिवार पर लगाने वाले चार्ट (केस मैनेजमेंट चार्ट)।

यदि बच्चा 2 माह से 5 वर्ष की आयु का है, तो उचित चार्ट '5 वर्ष से कम आयु' (बच्चे ने अपना पाचवा जन्मदिन नहीं मनाया है) का प्रयोग करें। (प्रशिक्षणार्थियों को समझायें कि 5 वर्ष तक का अर्थ है कि बच्चे की आयु 5 वर्ष पूरी हुई है)

3 मुख्य चरणों में कार्य करना है – आंकलन, वर्गीकरण तथा उपचार पहचानना।

इसके लिए क्रमशः तीन कदम उठाने हैं: सर्वप्रथम आंकलन करें, फिर वर्गीकरण करें तथा अंत में वर्गीकरण के आधार पर उपचार निश्चित करें।

चार्ट में 3 रंग दिये हैं जिनकी सहायता से उपचार करना है और जिसे प्रशिक्षणार्थियों ने पहले सीखा है। इस प्रदर्शन का उद्देश्य है चार्ट में दी विधि से प्रशिक्षणार्थियों को '2 माह से 5 वर्ष की आयु के बीमार बच्चों की जाँच तथा वर्गीकरण' करना सिखाना। उन्हें बताना कि चार्ट में दी गयी विधि सीखने से प्रशिक्षणार्थी निमोनिया, दस्त, मलेरिया, मेनिन्जाइटिस, कुपोषण तथा एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के लक्षण पहचान सकेंगे।

दिवार पर लगे चार्ट को दिखाते हुये मॉड्यूल में दिये गये प्रशिक्षण के उद्देश्यों से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत करायें –

- प्रशिक्षणार्थियों को बताये कि चार्ट के तीन मुख्य भाग हैं। उनके शीर्षक हैं – आंकलन, वर्गीकरण तथा उपचार पहचानना
- प्रत्येक शीर्षक तथा खाना दिखायें। बतायें कि कैसे यह मॉड्यूल उन्हें बीमारी का आंकलन तथा वर्गीकरण करना सिखायेगा। इसके बाद वे उपचार पहचानने के बारे में सीखेंगे।
 - माँ से बच्चे के रोग के बारे में पूछें।
 - खतरे के लक्षण देखें।
 - माँ से रोग के लक्षण पूछें:
 - खाँसी या साँस लेने में कठिनाई
 - दस्त
 - बुखार

- मुख्य लक्षण दिखाई देने के बाद:
 - बच्चे में मुख्य लक्षण से संबंधित दिखाई दे रहे अन्य लक्षण देखें ।
 - उपस्थित या अनुपस्थित लक्षणों के आधार पर रोग की पहचान करें।
- बच्चे में कुपोषण तथा एनीमिया के लक्षणों की जाँच करें तथा बच्चे के पोषण स्तर का वर्गीकरण करें।
- बच्चे के टीकाकरण, विटामिन 'ए' तथा आयरन फोलिक अम्ल की स्थिती की जाँच करना तथा देखना कि उन्हें किसी प्रकार के टीके, विटामिन 'ए' तथा आयरन फोलिक अम्ल गोलियों की आवश्यकता तो नहीं।
- अन्य रोगों की जाँच करना।

सारांश

- किसी प्रशिक्षणार्थी से कहें कि केस मैनेजमेंट चार्ट का प्रयोग कैसे करना है यह समझाएँ (3 रंग के संकेत: लाल, पीला और हरा तथा तीन प्रमुख भाग: आंकलन, वर्गीकरण और उपचार पहचानना)
- समझाएँ कि इस कार्यशाला के दौरान आशा आंकलन तथा वर्गीकरण सीखेंगी। उपचार तथा बच्चे की देखभाल के बारे में इससे अगली कार्यशालाओं में सिखाया जायेगा।

मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि
बच्चों की आम बीमारियों का आंकलन तथा वर्गीकरण करने के लिए बड़े आकार के केस मैनेजमेंट चार्ट का प्रयोग करना।	प्रश्नोत्तर